VSA
A Real English Medium School
Little Steps
Pre Primary wing of VSA

VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL
An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce
W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Class 10 **Sub-Sanskrit** **Ch-2**

दिए गए कार्य को Copy में पूर्ण करें।

अभ्यास-प्रश्नाः

वस्तुनिष्ठप्रश्ना:

1. भारतवर्षस्य उत्तरस्यां दिशि वर्तते–
(अ) हिमाद्रिः /हिमालयः (आ) विन्ध्याचलः (इ) समुद्रः/इन्दुसरोवरः (ई) गंगासागरः ( )

2. गायन्ति देवाः किल गीतकानि – इत्ययं श्लोकः कस्माद् ग्रन्थाद् उद्धृतः–
(अ) विष्णुपुराणात् (आ) ऋग्वेदात् (इ) रामायणात् (ई) वृहन्नारदीयपुराणात् ( )

3. "अपि स्वर्णमयी लंका" इत्यादौ कः कं प्रति ब्रूते–
(अ) लक्ष्मणः रामं प्रति (आ) रामः लक्ष्मणं प्रति
(इ) रामः हनुमन्तं प्रति (ई) राम-लक्ष्मणौ सीतां प्रति ( )

4. समानसंस्कृतिमतां जनानां पितृपुण्यभूः किं निगद्यते–
(अ) एकं राष्ट्रम् (आ) एकं राज्यम् (इ) एको भूखण्डः (ई) पितृभूः पुण्यभूः च ( )

5. राष्ट्रस्य उत्थान-पतनयोः अवलम्बः कः वर्तते–
(अ) राष्ट्रस्य शत्रवः (आ) राष्ट्रियाः (इ) अराष्ट्रियाः (ई) राष्ट्रस्य मित्राणि ( )

उत्तराणि–1. (अ), 2. (अ), 3. (आ), 4. (अ), 5. (आ)

लघूत्तरात्मक-प्रश्ना:

प्रश्न 1. अधोलिखित-प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्। (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–)

(क) भारते जन्म लब्ध्वा अपि यो जनः सत्कर्म-पराङ्मुखः भवति, सः किं त्यक्त्वा किं प्राप्तुम् इच्छति? (भारत में जन्म लेकर भी जो मनुष्य सत्कर्मों से विमुख रहता है वह क्या त्याग कर क्या प्राप्त करना चाहता है?)

उत्तरम्–भारते जन्म लब्ध्वा अपि यो जनः सत्कर्म-पराङ्मुखः भवति सः पीयूष-कलशं त्यक्त्वा विषकलशं प्राप्तुम् इच्छति। (भारत में जन्म लेकर जो व्यक्ति सत्कर्म विमुख होता है वह अमृत-घट को त्यागकर विष कुम्भ प्राप्त करना चाहता है।)

(ख) विद्यायाः प्रकारद्वयं किमस्ति? (विद्या के दो प्रकार कौन-से हैं?)

उत्तरम्–विद्यायाः प्रकारद्वयमस्ति-शस्त्रविद्या शास्त्र विद्या च। (विद्या के दो प्रकार हैं–शस्त्र विद्या और शास्त्र विद्या।)

(ग) पृथिव्यां सर्वमानवाः स्वं स्वं चरित्रं कस्य सकाशात् शिक्षेरन्? (पृथ्वी पर सभी मानव अपने-अपने चरित्र की शिक्षा किससे ग्रहण करते हैं?)

उत्तरम्–पृथिव्यां सर्वमानवाः स्वं स्वं चरित्रं एतद्देश प्रसूतस्य सकाशात् शिक्षेरन्। (पृथ्वी पर सभी मानव अपने-अपने चरित्र की शिक्षा इस देश में जन्मे लोगों से लेते थे।)

(घ) स्वर्गादपि का गरीयसी? (स्वर्ग से भी बढ़कर क्या है?)

उत्तरम्—जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी भवति। (माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं।)

(ङ) कया विना स्वनिकटस्थमपि राष्ट्रं जनाः न पश्यन्ति? (किसके बिना अपने समीपस्थ राष्ट्र को भी लोग नहीं देखते हैं?)

उत्तरम्—राष्ट्रदृष्ट्या विना स्वनिकटस्थमपि राष्ट्रं जनाः न पश्यन्ति। (राष्ट्र-दृष्टि के बिना अपने समीप स्थित राष्ट्र को भी लोग नहीं देखते हैं।)

(च) राष्ट्रे कस्य स्वत्वं न भवितुं शक्नोति? (राष्ट्र पर किसका स्वामित्व नहीं हो सकता?)

उत्तरम्—पितृभूत्वं पुण्यभूत्वं द्वयं यस्य न विद्यते तस्य राष्ट्रे स्वत्वं न भवितुं शक्नोति। (पिता की भूमि और पुण्य भूमि का ये दो भाव जिसके नहीं होते राष्ट्र पर उसका स्वामित्व नहीं हो सकता है।)

(छ) शास्त्रचर्चा कदा प्रवर्तते? (शास्त्रचर्चा कब प्रवृत्त होती है?)

उत्तर—यदा राष्ट्रं शस्त्रेण सुरक्षितं भवति तदा शास्त्रचर्चा प्रवर्तते। (जब राष्ट्र शस्त्र से सुरक्षित होता है तब शास्त्र चर्चा प्रवृत्त होती है।)

प्रश्न 2. 'क' खण्डं 'ख' खण्डेन सह योजयन्तु— ('क' खण्ड को 'ख' खण्ड के साथ जोड़ें—)

क	ख
1. भारतम्	राष्ट्रियः
2. राष्ट्रम्	हिमाद्रिः
3. विद्या	भारती
4. हिमालयः	शस्त्रं शास्त्रं च
5. यावती	तस्य
6. यस्य	तावती

उत्तर—

क	ख
(1) भारतम्	भारती
(2) राष्ट्रम्	राष्ट्रियः
(3) विद्या	शस्त्रं शास्त्रं च
(4) हिमालयः	हिमाद्रिः
(5) यावती	तावती
(6) यस्य	तस्य

3. अधस्तनपदानां विलोमपदानि पाठात् चित्वा लिखन्तु— (नीचे के पदों के विलोम पद पाठ से चुनकर लिखें—)

(1) उत्तरम् ..... (2) लघीयसी ..... (3) अप्राप्य .....

(4) उत्थानम्..... (5) मरणम्..... (6) अनवलम्ब्य.....

(7) अनावृत्य.....

उत्तराणि— (1) दक्षिणम्, (2) गरीयसी, (3) सम्प्राप्य, (4) पतनम्, (5) जन्म, (6) लब्ध्वा, (7) आवृत्त्य।

4. अधस्तनवाक्येषु स्थूलपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुर्वन्तु—(निम्न वाक्यों में मोटे पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण करें)—

1. हिमालयाद् समारभ्य इन्दुसरोवरं यावत्। (हिमालय से हिन्द महासागर तक)
   उत्तरम्—कस्माद् समारभ्य इन्दुसरोवरं यावत्। (किससे लेकर हिन्द महासागर तक।)
2. धन्यास्तु ते सन्ति। (वे तो धन्य हैं।)
   उत्तरम्—धन्याः के सन्ति? (धन्य कौन हैं?)
3. मे न रोचते। (मुझे अच्छा नहीं लगता।)
   उत्तरम्—कस्मै न रोचते? (किसे अच्छा नहीं लगता?)
4. शस्त्रेण रक्षिते राष्ट्रे शास्त्रचर्चा प्रवर्तते। (शस्त्र से रक्षित राष्ट्र में शास्त्र चर्चा होती है।)
   उत्तरम्—केन रक्षिते राष्ट्रे का प्रवर्तते? (किससे रक्षित राष्ट्र में क्या होती है?)
5. जन्मभूमिः स्वर्गादपि गरीयसी। (जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।)
   उत्तरम्—का स्वर्गादपि गरीयसी? (स्वर्ग से भी बढ़कर क्या है?)